Test Booklet No.
परीक्षा पुस्तिका संख्या

This Booklet contains **16** printed pages.
इस पुस्तिका में **16** मुद्रित पृष्ठ हैं ।

MAK-23-I

PAPER I / प्रश्न-पत्र I
PART IV & V / भाग IV & V
Sanskrit Language Supplement
संस्कृत भाषा परिशिष्ट

Test Booklet Code
परीक्षा पुस्तिका कोड

B

Do not open this Test Booklet until you are asked to do so.
इस परीक्षा पुस्तिका को तब तक न खोलें जब तक कहा न जाए ।
Read carefully the Instructions on the Back Cover (Page 15 & 16) of this Test Booklet.
इस परीक्षा पुस्तिका के पिछले आवरण (पृष्ठ 15 व 16) पर दिए गए निर्देशों को ध्यान से पढ़ें ।

For instructions in Sanskrit see Page 2 of this booklet. / संस्कृत में निर्देशों के लिए इस पुस्तिका का पृष्ठ 2 देखें ।

INSTRUCTIONS FOR CANDIDATES

1. This booklet is a supplement to the Main Test Booklet for those candidates who wish to answer **EITHER** Part IV (Language I) **OR** Part V (Language II) in **SANSKRIT** language, but **NOT BOTH**.
2. Candidates are required to answer Parts I, II, III from the Main Test Booklet and Parts IV and V from the languages chosen by them.
3. Questions on English and Hindi languages for Part IV and Part V have been given in the Main Test Booklet. Language Supplements can be asked for separately.
4. Use **Blue/Black Ball Point Pen only** for writing particulars on this page/marking responses in the Answer Sheet.
5. The CODE for this Language Booklet is **B**. Make sure that the CODE printed on **Side-2** of the Answer Sheet and on your Main Test Booklet is the same as that on this Language Supplement Booklet. In case of discrepancy, the candidate should immediately report the matter to the Invigilator for replacement of the Language Supplement Test Booklet.
6. This Test Booklet has **two** Parts, IV and V consisting of **60** Objective Type Questions, and each carries 1 mark :
   Part IV : Language I – (SANSKRIT) *(Q. Nos. 91 – 120)*
   Part V : Language II – (SANSKRIT) *(Q. Nos. 121 – 150)*
7. Part IV contains 30 questions for Language I and Part V contains 30 questions for Language II. In this Test Booklet, only questions pertaining to SANSKRIT language have been given. **In case the language(s) you have opted for as Language I and/or Language II is a language other than SANSKRIT, please ask for a Supplement (Language) Test Booklet of B Code that contains questions on that language. The languages being answered must tally with the languages opted for in your Application Form. No change in languages is allowed.**
8. **Candidates are required to attempt questions in Language II (Part V) in a language other than the one chosen as Language I (Part IV) from the list of languages.**
9. Rough work should be done only in the space provided in the Test Booklet for the same.
10. The answers are to be recorded on the OMR Answer Sheet only. Mark your responses carefully. No whitener is allowed for changing answers.

परीक्षार्थियों के लिए निर्देश

1. यह पुस्तिका मुख्य परीक्षा पुस्तिका की एक परिशिष्ट है, उन परीक्षार्थियों के लिए जो **या** तो भाग IV (भाषा I) **या** भाग V (भाषा II) **संस्कृत** भाषा में देना चाहते हैं, लेकिन **दोनों नहीं** ।
2. परीक्षार्थी भाग I, II, III के उत्तर मुख्य परीक्षा पुस्तिका से दें और भाग IV व V के उत्तर उनके द्वारा चुनी भाषाओं से ।
3. अंग्रेज़ी व हिन्दी भाषा पर प्रश्न मुख्य परीक्षा पुस्तिका में भाग IV व भाग V के अन्तर्गत दिए गए हैं । भाषा परिशिष्टों को आप अलग से माँग सकते हैं ।
4. इस पृष्ठ पर विवरण अंकित करने एवं उत्तर पत्र पर निशान लगाने के लिए **केवल नीले/काले बॉल पॉइंट पेन** का प्रयोग करें ।
5. इस भाषा पुस्तिका का **कोड B** है । यह सुनिश्चित कर लें कि इस भाषा परिशिष्ट पुस्तिका का कोड, उत्तर पत्र के **पृष्ठ-2** एवं मुख्य प्रश्न पुस्तिका पर छपे कोड से मिलता है । अगर यह भिन्न हो तो परीक्षार्थी दूसरी भाषा परिशिष्ट परीक्षा पुस्तिका लेने के लिए निरीक्षक को तुरन्त अवगत कराएँ ।
6. इस परीक्षा पुस्तिका में **दो** भाग IV और V हैं, जिनमें **60** वस्तुनिष्ठ प्रश्न हैं, तथा प्रत्येक 1 अंक का है :
   भाग IV : भाषा I – (संस्कृत) *(प्रश्न सं. 91 – 120)*
   भाग V : भाषा II – (संस्कृत) *(प्रश्न सं. 121 – 150)*
7. भाग IV में भाषा I के लिए 30 प्रश्न और भाग V में भाषा II के लिए 30 प्रश्न दिए गए हैं । इस परीक्षा पुस्तिका में केवल **संस्कृत** भाषा से सम्बन्धित प्रश्न दिए गए हैं । **यदि भाषा I और/या भाषा II में आपके द्वारा चुनी गई भाषा(एँ) संस्कृत के अलावा है/हैं, तो कृपया B कोड वाली उस भाषा वाली परिशिष्ट (भाषा) परीक्षा पुस्तिका माँग लीजिए । जिन भाषाओं के प्रश्नों के उत्तर आप दे रहे हैं वह आवेदन पत्र में चुनी गई भाषाओं से अवश्य मेल खानी चाहिए । भाषाओं का परिवर्तन अनुमन्य नहीं है ।**
8. **परीक्षार्थी भाषा II (भाग V) के लिए, भाषा सूची से ऐसी भाषा चुनें जो उनके द्वारा भाषा I (भाग IV) में चुनी गई भाषा से भिन्न हो ।**
9. रफ कार्य परीक्षा पुस्तिका में इस प्रयोजन के लिए दी गई खाली जगह पर ही करें ।
10. सभी उत्तर केवल OMR उत्तर पत्र पर ही अंकित करें । अपने उत्तर ध्यानपूर्वक अंकित करें । उत्तर बदलने हेतु श्वेत रंजक का प्रयोग निषिद्ध है ।

Name of the Candidate (in Capital Letters) : ______________________
परीक्षार्थी का नाम (बड़े अक्षरों में) :
Roll Number (अनुक्रमांक) : in figures (अंकों में) ______________________
: in words (शब्दों में) ______________________

Centre of Examination (in Capital Letters) : ______________________
परीक्षा केन्द्र (बड़े अक्षरों में) :
Candidate's Signature : ______________ Invigilator's Signature : ______________
परीक्षार्थी के हस्ताक्षर : निरीक्षक के हस्ताक्षर :
Facsimile signature stamp of Centre Superintendent ______________________

अस्यां पुस्तिकायां 16 मुद्रांकितपृष्ठानि सन्ति ।

MAK-23-I

परीक्षा-पुस्तिका-कोडम्

B

प्रश्नपत्रम् I
भागाः IV एवं V
संस्कृत-भाषा-परिशिष्टम्

यावन्न कथ्यते तावत् इयं परीक्षा-पुस्तिका न अनावरणीया ।

अस्याः परीक्षा-पुस्तिकायाः पृष्ठावरणयोः (पृष्ठे 15 एवं 16) प्रदत्ताः निर्देशाः ध्यानपूर्वकं पठनीयाः ।

परीक्षार्थिभ्यो निर्देशाः

1. इयं पुस्तिका मुख्य-परीक्षा-पुस्तिकायाः एकं परिशिष्टम् तेभ्यः परीक्षार्थिभ्यः अस्ति ये IV (भाषा I) भागस्य **अथवा** V (भाषा II) भागस्य परीक्षां **संस्कृत**भाषया दातुमिच्छन्ति, **न तु द्वयोः भागयोः** ।
2. परीक्षार्थिभिः I, II, III भागानाम् उत्तराणि मुख्य-परीक्षा-पुस्तिकातः देयानि अपि च IV तथा V भागानाम् उत्तराणि तैः चिताभिः भाषाभिः ।
3. आंग्लभाषायां हिन्दीभाषायां च प्रश्नाः मुख्य-परीक्षा-पुस्तिकायां IV भागे तथा V भागे च प्रदत्ताः । भाषा-परिशिष्टानि भवद्भिः पृथक्तया याचितुं शक्यन्ते ।
4. अस्मिन्पृष्ठे च विवरणम् अङ्कयितुम् उत्तरपत्रे च चिह्नं अङ्कयितुं **केवलं नील/कृष्णवर्णिकायाः बाल पाइन्ट लेखन्याः** प्रयोगः अनुमतः ।
5. अस्याः भाषापुस्तिकायाः कोडकं **B** वर्तते । एतच्च निश्चेतव्यं यदस्याः भाषापरिशिष्ट-पुस्तिकायाः कोडकम् उत्तरपत्रस्य **पृष्ठ-2** उपरि प्रकाशितेन कोडतेन साम्यं भजति । एतदपि निश्चेतव्यं यत् मुख्य-परीक्षा-पुस्तिकासंख्या उत्तरपत्रसंख्या च परस्परं साम्यं भजेते । यदि चात्र किमपि अन्तरमस्ति तदा छात्रेण निरीक्षकमहाभागः सम्प्रार्थनीयः यत्स द्वितीयाम् भाषा-परिशिष्ट–परीक्षापुस्तिकाम् ददातु ।
6. अस्यां परीक्षापुस्तिकायाम् **द्वौ** भागौ स्तः – IV तथा V, एतेषु **60** वस्तुनिष्ठाः प्रश्नाः सन्ति, प्रत्येकं च एकमङ्कं धारयति :
   भागः IV : भाषा I — (संस्कृत) *(प्रश्न संख्या 91 तः 120 पर्यन्तम्)*
   भागः V : भाषा II — (संस्कृत) *(प्रश्न संख्या 121 तः 150 पर्यन्तम्)*
7. IV भाषा I भागे 30 प्रश्नाः, V भाषा II भागे च 30 प्रश्नाः सन्ति । अस्यां च परीक्षापुस्तिकायाम् केवलम् **संस्कृत**भाषया सम्बद्धाः प्रश्नाः सन्ति । **यदि भाषा I उत वा भाषा II इत्येतयोः भवता संस्कृतात् पृथक् भाषे चिते, कृपया B भागतः तद्भाषासम्बद्धा परिशिष्ट(भाषा)परीक्षापुस्तिका याचनीया । यस्याः अपि भाषायाः प्रश्नानाम् उत्तराणि भवता प्रदीयन्ते, सा भाषा नूनम् आवेदनपत्रे अभीष्टभाषाभिः सह संवदेत् । भाषाणां परिवर्तनम् अनुमान्यं नास्ति ।**
8. **परीक्षार्थिभिः भाषा II (भाग V) कृते, भाषातालिकातः सा भाषा चयनीया या तैः भाषा I (भागे IV) चितायाः अभीष्टभाषातः भिन्ना स्यात् ।**
9. रफ़ कार्यं परीक्षापुस्तिकायाम् निर्धारितस्थाने एव कार्यम् ।
10. सर्वाणि उत्तराणि OMR उत्तरपुस्तिकायामेव अङ्कनीयानि । सावधानमनसा चैतद् अङ्कनीयम् । उत्तरं परिवर्तितुं श्वेत-रञ्जकस्य प्रयोगो निषिद्धः ।

परीक्षार्थिनः नाम : ______________________________

अनुक्रमाङ्क : अङ्केषु ______________________________

: शब्देषु ______________________________

परीक्षाकेन्द्रम् : ______________________________

परीक्षार्थिनः हस्ताक्षरम् : ________________ निरीक्षकस्य हस्ताक्षरम् : ________________

Facsimile signature stamp of
Centre Superintendent ______________________________

परीक्षार्थिनः निम्नलिखित-भागस्य प्रश्नानाम् उत्तराणि तदैव दद्युः यदा तैः **भाषा – I** स्थाने विकल्परूपेण **संस्कृतं** चितं स्यात् ।

→

भागः IV
भाषा I
संस्कृतम्

निर्देशः : सर्वाधिकं समीचीनं विकल्पं चित्वा निम्नलिखितप्रश्नानाम् (प्रश्नसङ्ख्या 91 – 105) उत्तरं दीयताम् ।

91. पठनविधीनां छात्राणां क्रियाभिः सह समीचीनं मेलनं कुरुत –

	पठनविधयः		*छात्राणां क्रियाः*
A.	सम्भावना-कथनम् (Predicting)	i.	लेखनपद्धत्या लेखकानुभूति ज्ञानम्
B.	प्रवृत्ति-अनुमानम्	ii.	ते अपरिचित शब्दार्थं ज्ञातुं पाठ विभाजनस्य सहायतां गृह्णन्ति
C.	प्रकरणानुसारं अर्थावबोध	iii.	शीर्षकानि, भूमिकादि च ज्ञात्वा विषय-वस्तु जानन्ति
D.	गहनाध्ययनम्	iv.	एकस्मिन् पाठविभागे भाषाप्रयोगं ज्ञातुं यतन्ते
E.	पाठव्यवस्था ज्ञानम्	v.	पाठस्य विचारान् ज्ञातुं शीर्षक-चित्रादीनि प्रयुञ्जन्ति

(1) A-ii, B-i, C-iii, D-iv, E-v
(2) A-i, B-iv, C-v, D-ii, E-iii
(3) A-iv, B-iii, C-ii, D-i, E-v
(4) A-v, B-i, C-ii, D-iv, E-iii

92. उदाहरणानुसारं निम्नलिखितवाक्यस्य पद्धतिं चिनुत –
'भाषाप्रयोगे अहं भाषायाः शुद्धप्रयोगे केन्द्रीभूतो भवामि'
(1) आत्म-परीक्षणम्
(2) पुनरावृत्तिः
(3) अपरस्यां भाषायाम् अनुवादः
(4) कण्ठस्थीकरणम्

93. द्वितीयायां कक्षायां छात्राः गीतं गायन्ति –
"शिरः स्कन्धौ, जानू, अङ्गुल्यः ।" यदा ते गीतं गायन्ति, तदा ते सम्बन्धित-शरीराङ्गाणि स्पृशन्ति । अध्यापकेन पाठने का पद्धतिः प्रयुज्यते ?
(1) समग्र-शरीर-प्रतिक्रिया (Total Physical Response)
(2) सम्प्रेषणात्मकं भाषा-अध्यापनम् (Communicative Language Teaching)
(3) विभिन्न दर्शनग्रहणम् (Eclectic)
(4) श्रवणभाषीयता (Audio-lingual)

94. पूर्व-पाठे प्रयुक्तानां शब्दानां विषये छात्राः पञ्चप्रश्नानां उत्तराणि दातुं समूहेषु कार्यं कुर्वन्ति । तदा ते अन्यसमूहेन सह परस्परं प्रश्नोत्तराणि विनियमन्ति । एतद् उदाहरणम् अस्ति –
(1) पठनमूल्याङ्कनस्य (Reading assessment)
(2) प्रतिपुष्टेः (Feedback)
(3) सहपाठि-मूल्यांकनस्य (Peer Assessment)
(4) स्वमूल्याङ्कनस्य (Self-assessment)

95. यदा अध्यापकः मह्यं पत्रं ददाति यस्मिन् कश्चित्शब्दः सूक्तिर्वा अङ्कितः अङ्किता अस्ति, तथा च अहम् इमं शब्दं अनुमातुं सम्पूर्णां कक्षां कथयामि । मह्यं एतत्कार्यं रोचते । अस्मिन् विषये छात्राणां टिप्पण्यः ज्ञातव्याः, तेषां अपेक्षित टिप्पण्यश्चापि ज्ञातव्याः –
(1) अहं भाषां तदा सम्यक् स्मरामि यदा अहं पत्रात् सूक्तिं कण्ठस्थीकरोमि ।
(2) अहं भाषां तदा सम्यक् स्मरामि यदा अहं तां शृणोमि ।
(3) अहं भाषां तदा सम्यक् स्मरामि अहं अस्यां गतिशीलो भवामि ।
(4) अहं भाषां तदा सुष्ठु स्मरामि यदा अहं तां पश्यामि ।

96. *कथनम् (A) :*
सर्वे छात्राः ये विद्यालये प्रवेशं गृह्णान्ति, स्ववयः अनुसारं सक्षमा भाषाप्रयोक्तारः सन्ति ।
कारणम् (R) :
भाषायाः संस्कृतेश्च वैविध्येन ते स्वयोग्यताः प्रदर्शयितुं न समर्थाः ।
निम्नलिखितानां विकल्पानां सर्वोपयुक्तं उत्तरं चिनुत ।
(1) (A) सत्यम् अस्ति, परं (R) मिथ्या अस्ति ।
(2) (A) च (R) च उभे समीचीने, (R), (A) इत्यस्य समीचीनं व्याख्यानं ***नास्ति*** ।
(3) (A) मिथ्या अस्ति, परं (R) सत्यम् अस्ति ।
(4) (A) च (R) च उभे उत्तरे समीचीने स्तः । (R), (A) इत्यस्य समीचीनं व्याख्यानम् अस्ति ।

97. पञ्चमीकक्षायाः मनजीतः अध्यापकैः सह मित्रैः सह, एवमेव द्विवर्षीयबालकेन सह भिन्न-भिन्न प्रकारैः वार्तालापं करोति । अस्य अयम् अर्थः यत् सामाजिक परिस्थित्यनुसारं स भाषां प्रयोक्तं जानाति । भाषाप्रयोगस्य इयं पद्धतिः का मन्यते ?

(1) व्यावहारिकता (Pragmatics)
(2) अर्थवादिता
(3) वक्तृकला
(4) प्रकृतिवादिता

98. काचिद् माता एतद् वीक्षते यत तस्य बालकः यदाकदा तान् प्रयोगान् करोति यान् स कदापि प्रौढेभ्यः भगिनी-भ्रातृभ्यः वा परिवारे नाश्रृणोत्। तस्याः विश्वासः एतद् अनुमोदयति –

(1) रचनावादिता
(2) व्यवहारवादिता
(3) बहुवादीयता
(4) सहजता

99. कौशलसमूहाः ये औपचारिक-निर्देश पठनात्पूर्वं वर्धन्ते तथा च पश्चात् काले शैक्षणिक योग्यता विकासाय आधारं प्रयच्छन्ति, कथ्यन्ते –

(1) आविर्भावि-गुणधर्मिता (Properties)
(2) अविर्भावी पाठ्यक्रमः (Curriculum)
(3) आविर्भावि-साक्षरता (Literacy)
(4) अविर्भावि समाधानम् (Solution)

100. काचित् मातामही गृहे बालकान् पुस्तकात् कथाः रुचिपूर्वकं श्रावयति । अनेन प्रकारेण सा तान् पुस्तकानि, नवविचारान् च पठितुं प्रेरयति । अस्यां प्रक्रियायां बालकाः अपि सक्रियाः भवन्ति । एषा पद्धति कथ्यते –

(1) वार्तालापीय पठनम् (Dialogic)
(2) सह-पठनम् (Shared)
(3) उच्चैः पठनम् (Aloud Reading)
(4) प्रतिमान-पठनम् (Model)

101. अध्यापनस्य सा पद्धतिः, यस्यां पठनं आधारभूततत्त्वेभ्यः यथा, अक्षरेभ्यः ध्वनिग्रमेभ्यश्च (Phonemes) प्रारभते, यस्यां च समग्र पठनात् पूर्वं ध्वनिग्रामाः शब्देषु योजयितुं शक्यन्ते, कथ्यते –

(1) समग्र भाषा पद्धतिः
(2) 'अधः ऊर्ध्वं' (Bottom-up) पद्धति
(3) संरचनात्मक पद्धतिः
(4) 'ऊर्ध्वाधः' (Top-down) पद्धति

102. *कथनम् (A) :*
ध्वनिग्रामस्य उच्चारणं छात्रस्य शुद्ध-उच्चारण स्वाभाविकतां शिथिलां करोति ।
कारणम् (R) :
यदा नवोदित शिष्या स्व-आविष्कृतं उच्चारणं प्रयुञ्जन्ति तदा तेषां शुद्धोचारण योग्यता न शिथिलीभवति ।
निम्नलिखितेभ्यः विकल्पेभ्यः समीचीनम् उत्तरं चिनुत –

(1) (A) सत्यम् अस्ति, परं (R) मिथ्या अस्ति ।
(2) (A) च (R) च उभे समीचीने, (R), (A) इत्यस्य समीचीनं व्याख्यानं ***नास्ति*** ।
(3) (A) मिथ्या अस्ति, परं (R) सत्यम् अस्ति ।
(4) (A) च (R) च उभे उत्तरे समीचीने स्तः । (R), (A) इत्यस्य समीचीनं व्याख्यानम् अस्ति ।

103. नवीनां भाषां शिक्षन्तः छात्राः प्रायः तस्याः भाषायाः उच्चारणनियमानां कारणात् तां भाषां भाषितुं विश्वासस्य न्यूनताम् अनुभवन्ति । तां समस्यां निवारयितुं एकः मार्गः अयम् अस्ति –

(1) केनापि भाषाविशेषज्ञेन सह परामर्शं कृत्वा सततं अभ्यासः ।
(2) तादृशानां क्रीडासदृशगतिविधीनां प्रयोगः । यस्मिन् कक्षायां मौखिक-अन्तःसम्पर्कः भवेत् ।
(3) यदा त्रुटयाः भवन्ति तासां तदैव संशोधनम् ।
(4) छात्राः कक्षायां उच्चस्वरेण पठन्तु ।

104. कश्चिद् अध्यापकः तृतीयकक्षायां नवीनं शब्दराशिं छात्रेभ्यः प्रस्तौति । निम्नलिखिताषु का पद्धतिः शब्दराशिं प्रस्तौतुं प्रभाविनी अस्ति ?

(1) अध्यापकः छात्रान् प्रकरणानुसारं शब्दस्य अर्थं विवृणुयात् ।
(2) अध्यापकः तान् शब्दस्य समीचीनां परिभाषां वदेत् ।
(3) अध्यापकः शब्दार्थं श्यामपटले लिखेतु छात्रान् च तं कण्ठस्थीकर्तुं कथयेत् ।
(4) अध्यापकः छात्रान् विपरीतार्थकान् शब्दान् अर्थैः सह तेषां भाषायां वदेत् ।

105. भाषा-शिक्षणम् विषयः अस्ति –

(1) उत्पादनस्य
(2) प्रक्रियायाः
(3) कौशलस्य
(4) अधिग्रहणस्य (Acquisition)

निर्देशः : अधोलिखितान् श्लोकान् पठित्वा षट् प्रश्नानां (प्रश्नसङ्ख्या 106 – 111) विकल्पात्मकोत्तरेभ्यः उचिततमम् उत्तरं चिनुत ।

विद्या ददाति विनयं विनयाद्याति पात्रताम् ।
पात्रत्वाद् धनमाप्नोति धनाद धर्मं ततः सुखम् ॥ 1 ॥

विश्वासो हि ययोर्मध्ये तयोर्मध्येऽस्ति सौहृदम् ।
यस्मिन्नैवास्ति विश्वासः तस्मिन् मैत्री क्व सम्भवा ॥ 2 ॥

अक्रोधेन जयेत् क्रोधमसाधुं साधुना जयेत् ।
जयेत कदर्यं दानेन जयेत् सत्येन चानृतम् ॥ 3 ॥

अनाहूतः प्रविशति अपृष्टो बहुभाषते ।
अविश्वस्ते विश्वसिति मूढचेता नराधमः ॥ 4 ॥

षड्दोषाः पुरुषेणेह हातव्या भूतिमिच्छता ।
निद्रा तन्द्रा भयं क्रोधः आलस्यं दीर्घसूत्रता ॥ 5 ॥

106. विनयात् किं प्राप्नोति ?

(1) सत्यम्

(2) पात्रताम्

(3) विश्वासम्

(4) धनम्

107. मैत्री कुत्र न भवितुम् अर्हति ?

(1) यत्र धनं नास्ति ।

(2) यत्र क्रोधः भवति ।

(3) यत्र विश्वासः न वर्तते ।

(4) यत्र असमानता वर्तते ।

108. 'कदर्यम्' इत्यस्य शब्दस्य कोऽर्थः?

(1) धनव्यये संकोचः

(2) दुर्बलता

(3) दीनता

(4) निर्दयम्

109. 'यस्मिन्नैवास्ति' अत्र निम्नलिखितेषु कः सन्धिविच्छेदः समीचीनः ?

(1) यस्मिन् + न + ऐव + अस्ति

(2) यस्मिन् + न + इव + अस्ति

(3) यस्मिन् + ना + इव + आस्ति

(4) यस्मिन् + न + एव + अस्ति

110. 'इच्छता' पदस्य निर्वचनम् किम् भवति ?

(1) इष् + अत् + आ

(2) इच्छ् + अच् + ता + तृतीया-एकवचनम्

(3) इष् + शतृ + आ (तृतीया-एकवचनम्)

(4) इच्छ् + क्त + स्त्रीलिङ् + प्रथमा-एकवचनम्

111. निम्नलिखितेषु को धातुः भ्वादिगणस्य विद्यते ?

(1) याति

(2) प्रविशति

(3) ददाति

(4) जयेत्

निर्देशः : अधोलिखितं गद्यांशं पठित्वा तदाधारितप्रश्नानां (प्रश्नसङ्ख्या 112 – 120) विकल्पात्मकोत्तरेषु उचिततमम् उत्तरं चिनुत ।

एकदा षड्वर्षीयः श्रीकृष्णः वृन्दावने यमुनातटम् अगच्छत् । गोपाः अपि तेन सह अगच्छन् । गोपाः पिपासया आकुलाः भूत्वा यमुनाजलम् अपिबन् । ते मूर्च्छिताः अभवन् । श्रीकृष्णः तान् मूर्च्छितान् दृष्ट्वा व्याकुलः अभवत् । वस्तुतः यमुनाजले कालियनागस्य कुण्डम् आसीत् । तेन यमुनाजलं विषज्वालाभिः विषाक्तं जातम् । अनेके खगाः पशवः च तत् जलं पीत्वा मृत्युं प्राप्ताः । वायुः अपि तेन विषयुक्तः अभवत् । वृक्षाः तेन वायुना शुष्काः जाताः ।

यदा श्रीकृष्णः एतत् सर्वम् अपश्यत् सः एकं वृक्षम् आरोहत्। तस्मात् वृक्षात् सः विषयुक्ते जले अकूर्दत । कालियनागस्य एकाधिकशतं फणाः आसन् । सः तान् प्रसार्य कृष्णं प्रहर्तुम् ऐच्छत्। श्रीकृष्णः तस्य फणान् आरुह्य अनृत्यत्। कालियनागस्य फणाः शनैः शनैः छिन्नाः भिन्नाः अभवन्। मुखात् रक्तं प्रावहत्। सः हस्तौ संयोज्य अवदत् — "भगवन् ! वयं नागाः जन्मतः एव विषयुक्ताः। अयं न मम अपराधः। भवान् एव सर्वप्राणिनां प्रभुः। अनुग्रहं करोतु निग्रहं वा ।" एवं निग्रहात् परम् अनुग्रहं कुर्वन् श्रीकृष्णः अवदत — रे दुष्ट ! किं न जानासि त्वं यत् तव कारणात् सर्वं जलं विषयुक्तं भवति। इतः कुत्रापि अन्यत्र गच्छ इति। सर्पः ततः पलायितः। एवं च यमुना विषरहिता जाता।

112. यमुनाजलं के अपिबन् ?

(1) गोपाः

(2) श्रीकृष्णस्य वत्साः

(3) पक्षिणः

(4) गावः

113. यमुनाजलं केन कारणेन विषाक्तम् अभवत् ?

(1) मथुरानगरस्य दूषितनदेभ्य: दूषितं जलं यमुनायां प्रावहत्।

(2) तत्र पर्वतकन्दरात् विषाक्तं जलं प्रवहति स्म।

(3) तत्र वायुमण्डलं विशुद्धम् नासीत्।

(4) यमुनाजले कालियनागस्य विषकुण्डम् आसीत्।

114. श्रीकृष्णः कुत्र नृत्यं कृतवान् ?

(1) कालियनागस्य एकस्मिन् फणे

(2) कालियनागस्य फणेषु

(3) यमुनाजले

(4) निकुञ्जेषु

115. "भवान् एव सर्वप्राणिनां प्रभुः" कस्य इदम् कथनम् ?

(1) गोपानाम्

(2) नागस्य

(3) नागरिकाणाम्

(4) नागपत्न्याः

116. 'तृष्णया' इत्यस्मिन्नर्थे गद्यांशे कः शब्दः प्रयुक्तः ?

(1) पिपासया

(2) शुष्काः

(3) अकुलाः

(4) विषयुक्ता

117. 'प्रसार्य' इत्यस्य शब्दस्य निम्नलिखितेषु कोऽर्थः ?

(1) विदीर्य

(2) संगृह्य

(3) विस्तीर्य

(4) आच्छाद्य

118. 'पीत्वा' इत्यस्मिन् शब्दे को धातुः कश्च प्रत्ययः ?

(1) पी + क्त्वा

(2) पा + क्त्वा

(3) पी + क्तवतु

(4) पिब् + क्त्वा

119. 'आसीत्' कस्य लकारस्य रूपम् अस्ति ?

(1) लुङ्

(2) लङ्

(3) विधिलिङ्

(4) लट्

120. 'गच्छ' कस्य लकारस्य, पुरुषस्य वचनस्य च रूपम् अस्ति ?

(1) गम् + विधिलिङ् मध्यमपुरुषः + द्विवचन्

(2) गच्छ् + लोट् मध्यमपुरुषः + एकवचनम्

(3) गच्छ् + लोट् उत्तमपुरुषः + एकवचनम्

(4) गम् + लोट् मध्यमपुरुषः + एकवचनम्

परीक्षार्थिनः निम्नलिखित-भागस्य प्रश्नानाम्
उत्तराणि तदैव दद्युः यदा तैः **भाषा – II**
स्थाने विकल्परूपेण **संस्कृतं** चितं स्यात् ।

भागः V
भाषा II
संस्कृतम्

निर्देशः : सर्वाधिकं समीचीनं विकल्पं चित्वा निम्नलिखितप्रश्नानाम् (प्रश्नसङ्ख्या 121 – 135) उत्तरं दीयताम् ।

121. एका माता द्वितीयकक्षायाः अध्यापकं कथयति यत् तया निरीक्षितं यत् तस्याः बालकः यदा कदा तादृशं भाषाप्रयोगं करोति यत्तया कस्मादपि प्रौढात् भगिनी भ्रातुः वा कदापि न श्रुतः । एतत्कथं सम्भवति ? अस्य प्रश्नस्य किमुत्तरं समीचीनम् अस्ति।

(1) बालकः तदा भाषां शिक्षति यदा वयं बालकस्य भाषां शक्तिकृतां कुर्मः।

(2) मानवमस्तिष्कं सहजातरूपेण भाषां शिक्षितु योग्यम् अस्ति।

(3) रचनात्मक-उपागमानुसार, बालकाः नवीनाः भाषाः अन्वेष्टुं सक्षमा भवन्ति।

(4) बालकः केवलं स्वप्रौढजनाम् अनुकृत्य शिक्षति।

122. पूर्वतरं साक्षरतां प्रोत्साहयितुं प्रौढजनः, एक बालकश्च उभौ सह एव एकं पुस्तकं पश्यतः । प्रौढः जनः प्रश्नान् पृच्छति वार्तालापम् प्रारब्धुम्, तदनु उभयोः भूमिका परिवर्तते। ततः बालकः प्रौढं प्रश्नान् पृच्छति। इयं पद्धतिः किं कथ्यते ?

(1) वार्तालापीय-पठनम्

(2) सहपठनम्

(3) कथाश्रावणम्

(4) आदर्शपठनम् (Model reading)

123. अध्यापकः भाषा-छात्राणां श्रवणकौशलं केन उपायेन वर्धयितुं समर्थः ?

(1) छात्राणां कृते विभिन्नप्रकारान् जनान् च श्रोतुं अवसरप्रदानेन तथा च श्रवणक्रियासु नियोजनेन।

(2) अन्यैः भाषाकौशलैः सह संयोगेन विना केवलं श्रवणकौशले केन्द्रीभूतेन।

(3) यत्किञ्चिद् अनायासं श्रूयते तद् अपि सावधानतया श्रोतुं प्रेरणेन।

(4) छात्रैः सह कक्षायां, कक्षायाः बहिश्चापि निरन्तरं सम्भाषणेन।

124. *कथनम् (A) :*

प्राथमिके स्तरे भाषायाः शुद्धता सर्वाधिका महत्त्वपूर्ण अस्ति।

कारणम् (R) :

व्याकरणं प्राथमिक पाठ्यक्रमस्य अविभाज्यम् अङ्गमस्ति।

निम्नलिखित संकेतेभ्यः शुद्धम् उत्तरं चिनुत।

(1) (A) सत्यम् अस्ति, परं (R) असत्यम् अस्ति।

(2) (A) च (R) उभे सत्ये स्तः, परं (R), (A) इत्यस्य समीचीनं व्याख्यानं ***नास्ति***।

(3) (A) असत्यम् अस्ति, परं (R) सत्यम् अस्ति।

(4) उभे (A) च (R) च सत्ये स्तः तथा च (R), (A) इत्यस्य समीचीनं व्याख्यानमस्ति।

125. भाषायाः प्रकृतेः विषये, भाषाशिक्षणस्य प्रकृतेः विषये, बालशिक्षा व्यवस्थायां उभयोश्च प्रायोगिकताविषये ये सिद्धान्ताः विश्वासाश्च सन्ति, ते किं कथ्यन्ते ?

(1) उपागमः (Approach)

(2) विषयवस्तु (Content)

(3) क्रियाविधिः (Technique)

(4) पाठ्यक्रमः (Syllabus)

126. रचनात्मक-मूल्याङ्कनम् (Formative Evaluation) अस्ति –

(1) पूर्वनिर्धारिते अथवा विशेष अवस्थायां क्रियान्वयनम्।

(2) निरन्तरं विकासेन प्रोन्नत्या च सम्बद्धता।

(3) अपरिवर्तनीयम्।

(4) अध्ययन-अध्यापन-प्रक्रियायां किं भवति।

127. बालकानां कृते पाठयोजना निर्माणकाले अध्यापकः पूर्णतया 'समग्रशरीर प्रतिक्रिया' विधिम् अवलम्बितवान्। निम्नलिखितेषु कः प्रविधिः पाठे 'समग्र शरीर प्रतिक्रिया' विधिं प्रवेष्टुं प्रयोक्तव्यः ?

(1) कक्षायां काश्चन श्रवणक्रियाः प्रयोक्तव्या।

(2) ताः क्रियाः प्रयोक्तव्याः याः छात्रान् स्वासनेषु तिष्ठतः एव युगलेषु समूहेषु वा कार्यं कर्तुं सहयोगं कुर्युः।

(3) सर्वाः क्रियाः विहाय प्रश्नाः प्रष्टव्या छात्राश्च उत्तरितुं कथयितव्या।

(4) कक्षायां शारीरिक क्रियाः अवश्यं प्रवेष्टव्याः।

128. व्याकरणविषये का अवधारणा एनं विश्वासं वर्धयति यत् भाषाशिक्षणं नियमशिक्षणमेवास्ति।

(1) सम्प्रेषणात्मिका (Communicative)

(2) आगमनात्मिका (Inductive)

(3) व्याकरण-अनुवादात्मिका (Grammar Translation)

(4) निर्गमनात्मिका (Deductive)

129. पञ्चमीकक्षायां अध्यापकः स्वतन्त्रलेखनकार्यं दातुं योजनां निर्माति। अध्यापकेन कस्मिन् विषये केन्द्रितेन भवितव्यम्?

(1) प्रवाहे शुद्धतायाञ्च उभयोः

(2) विषयस्य प्रवाहे

(3) छात्रस्य हस्तलेखने

(4) पाठ्यविषयस्य शुद्धतायाम्

130. 'ऊर्ध्वाधः' इत्यस्य अर्थोऽस्ति, यत् 'समग्रार्थोऽवबोद्धव्यः'। तदा 'अधः-ऊर्ध्वम्' (Bottom-up) इत्यस्य कोऽर्थः ?

(1) पाठ्यस्य शब्देषु सूक्तिषु च केन्द्रीभवितव्यम्

(2) पूर्वपठने केन्द्रीभवितव्यम्

(3) संक्षिप्त प्रश्नोत्तरेषु केन्द्रीभाव्यम्

(4) सारः मुख्यार्थश्च ग्राह्यौ

131. निम्नलिखितेषु अध्यापकस्य प्रमुखं दायित्वं किमस्ति ?

(1) विभिन्नकक्षासु छात्राणां समूहनिर्माणम्।

(2) अध्यापनार्थं समुचितसामग्री चयनम्।

(3) छात्रेभ्यः निर्देशः।

(4) छात्रस्य सम्प्रेषणात्मक-आवश्यकतानां ज्ञानम्।

132. एकः शिशुः एकं पुस्तकं गृह्णाति। सः शीर्षं उपरिष्टात् कृत्वा सम्यग्रूपेण गृह्णाति, पृष्ठानि च परिवर्तते। एतत्समग्रतया सम्मिलितं करोति –

(1) उद्भाविनीम् गुणवत्ताम्

(2) उद्भाविनं पाठ्यक्रमम्

(3) उद्भाविनं समाधानकौशलम्

(4) उद्भावितानि साक्षरता कौशलानि (Emergent literacy skills)

133. *कथनम् (A) :*

छात्राः भाषाम् अधिगृह्णन्ति यतः ते जन्मतः एव भाषां गृहीतुं तत्पराः भवन्ति । परिवेषस्य अस्मिन् कार्ये किमपि योगदानं नास्ति ।

कारणम् (R) :

छात्रकेन्द्रितः कक्षा परिवेषः भाषा-अधिग्रहणे महत्त्वपूर्णं प्रभावं ददाति ।

निम्नलिखित संकेतेभ्यः शुद्धम् उत्तरं चिनुत ।

(1) (A) सत्यम् अस्ति, परं (R) असत्यम् अस्ति ।

(2) (A) तथा (R) उभे सत्ये स्तः, परं (R), (A) इत्यस्य समीचीनं व्याख्यान ***नास्ति*** ।

(3) (A) असत्यम् अस्ति, परं (R) सत्यम् अस्ति ।

(4) (A) तथा (R) उभे सत्ये स्तः तथा च (R), (A) इत्यस्य समीचीनं व्याख्यानम् अस्ति ।

134. पठनस्य सा पद्धतिः यस्यां प्रकरणादेन शब्दार्थः ज्ञायते कथ्यते –

(1) समग्र-भाषा उपागमः

(2) अधः-ऊर्ध्व-उपागमः

(3) संरचनात्मक-उपागमः

(4) संप्रेषणात्मक-उपागमः

135. भाषायाः विषये चिन्तनस्य वार्तालापस्य च योग्यता अस्ति –

(1) उद्भाविनी सक्षमता

(2) वक्तुः सक्षमता

(3) इतरविषयी - भाषावैज्ञानिक योग्यता

(4) ध्वन्यात्मक अवबोधः

निर्देशः : *अधोलिखितं गद्यांशं पठित्वा तदाधारितप्रश्नानां (प्रश्नसङ्ख्या 136 – 142) विकल्पात्मकोत्तरेषु उचिततमम् उत्तरं चिनुत ।*

एकदा बालः सिद्धार्थः प्रातः भ्रमणाय उपवनम् अगच्छत् । उपवने बहवः खगाः मधुरं कूजन्ति स्म । सिद्धार्थः पक्षिणः अपश्यत् । तेषां कलरवं श्रुत्वा अतुष्यत् । किंचित् कालानन्तरं तस्य भ्राता देवदत्तः अपि आखेटं कर्तुम् उपवनम् आगच्छत् । सः शरेण आकाशे एकं हंसम् अविध्यत् । शरेण विद्धः हंस भूमौ अपतत् । सिद्धार्थः करुणया तं हंसं कुटीरम् आनयत् । तत्र हंसस्य परिचर्याम् अकरोत् । देवदत्तः स्वशरेण विद्धं हंसं ग्रहीतुं तत्र आगच्छत् । सिद्धार्थः देवदत्तम् अवदत् — त्वं हंसं मारयितुम् इच्छसि, किन्तु अहम् एनं रक्षितुम् इच्छामि । त्वं घातकः, अहं रक्षकः । अतः अयं हंसः मम एव ।

अथ सिद्धार्थस्य देवदत्तस्य च मध्ये विवादः अभवत् । देवदत्तः सर्वं निवेदयितुं नृपस्य समीपम् अगच्छत् । सिद्धार्थः अपि तेन सह तत्र अगच्छत् । देवदत्तः नृपाय सर्वं वृत्तान्तम् अकथयत् । सिद्धार्थः अपि स्वपक्षम् अवदत् । नृपः तत् सर्वम् अशृणोत् निर्णयं च अकरोत् — अयं हंसः तु सिद्धार्थस्य एव, यतः सः अस्य रक्षकः । उक्तं हि — रक्षकः भक्षकात् श्रेष्ठः इति ।

136. सिद्धार्थः केन प्रयोजनेन उपवनम् अगच्छत् ?

(1) आखेटाय

(2) भ्रमणाय

(3) मनोरञ्जनाय

(4) नगरं द्रष्टुं

137. सिद्धार्थस्य देवदत्तस्य च मध्ये किम् अभवत् ?

(1) विवादः

(2) कलहः

(3) युद्धः

(4) मैत्री

138. 'हन्तुम्' इत्यस्मिन्नर्थे गद्यांशे कः शब्दः प्रयुक्तः ?

(1) मारयितुम

(2) ग्रहितुम्

(3) अपतत्

(4) अविध्यत्

139. 'अवदत्' इत्यस्मिन क्रियारूपे कः लकारः ?

(1) विधिलिङ्

(2) लट्

(3) लुङ्

(4) लङ्

140. 'विद्धम्' इत्यस्य पदस्य निर्वचन क्रियताम् –

(1) विध् + धम् प्रत्ययः

(2) व्यध् + क्त प्रत्यय

(3) व्यध् + इम् प्रत्ययः

(4) विध् + क्त प्रत्यय

141. 'घातकः' इत्यस्मिन् पदे कः कृत् प्रत्ययः ?

(1) ण्वुल्

(2) अक्

(3) तक

(4) क

142. 'करुणया' अस्मिन् पदे का विभक्तिः वर्तते ?

(1) चतुर्थी

(2) पञ्चमी

(3) द्वितीया

(4) तृतीया

निर्देशः : *अधोलिखितं गद्यांशं पठित्वा तदाधारितप्रश्नानां (प्रश्नसङ्ख्या 143 – 150) विकल्पात्मकोत्तरेषु उचिततमम् उत्तरं चिनुत ।*

मन्दरपर्वते दुर्दान्तः नाम सिंहः वसति स्म । सः च सर्वदा बहूनां पशूनां वधं करोति स्म । एकदा सर्वे पशवः सिंहस्य समीपम् अगच्छन् अवदन् च — मृगेन्द्र ! त्वं किमर्थं सर्वदा पशूनां वधं करोषि ? प्रसीद । वयं स्वयं तव भोजनाय प्रतिदिनम् एकम् पशुं प्रेषयिष्यामः ।

ततः सिंहः अवदत् — यदि यूयम् एवम् इच्छथ, तर्हि भवतु तत् । ततः प्रभृति एकः पशुः प्रतिदिनं क्रमेण सिंहस्य समीपं गच्छति स्म ।

एकदा एकस्य शशकस्य वारः समायातः । सः अचिन्तयत् — यदि मम मरणं निश्चितम् एव, तर्हि मन्दम् एव गच्छामि । सः अतिविलम्बेन सिंहस्य समीपम् अगच्छत् ।

तत्र सिंहः तु क्षुधया पीडितः आसीत् । अतिक्रुद्धः सः शशकम् अपृच्छत् — त्वं कथं विलम्बात् समायातः ? शशकः सविनयम् अवदत् महाराज ! न मम दोषः । मार्गे अपरः सिंहः आसीत्, सः माम् अपश्यत् अवदत्, च "अहम् अस्य वनस्य राजा । अहं त्वां भक्षयिष्मामि ।" अहं तम् अवदम् — अस्य वनस्य राजा तु दुर्दान्तः नाम सिंहः अस्ति । सः अद्य मां भक्षयिष्यति । अहम् अधुना तस्य भोजनाय गच्छामि । अहम् अत्र पुनः आगमिष्यामि इति शपथं कृत्वा अत्र आगच्छम् । एतत् श्रुत्वा सः सिंह अतिक्रुद्धः अभवत् ।

दुर्दान्तः क्रोधेन अवदत् — रे शठ ! कुत्र अस्ति सः अपरः सिंहः ? तं सत्वरं मां दर्शय । शशकः सिंहम् एकस्य गभीरस्य कूपस्य समीपम् अनयत् अकथयत् च — पश्यतु महाराज ! अस्मिन् कूपे एव सः सिंहः वसति ।

तस्य कूपस्य जले दुर्दान्तः स्वप्रतिबिम्बम् अपश्यत् अवदत् च एषः एव सः सिंहः? क्रोधेन परिपूर्णः सः दुर्दान्तः आत्मानं कूपे अक्षिपत् पञ्चत्वं च अगच्छत्।

उक्तं हि यथा —

बुद्धिर्यस्य बलं तस्य निर्बुद्धेस्तु कुतो बलम्।
पश्य सिंहो मदोन्मत्तः शशकेन निपातितः ॥

143. बहूनां पशूनां वधं कः करोति स्म ?

(1) ऋक्षः

(2) सिंहः

(3) चित्रकः

(4) व्याघ्रः

144. अत्र गद्यांशे 'मृगेन्द्र !' इति सम्बोधनं कस्मै प्रयुक्तम् ?

(1) महिषाय

(2) मृगाय

(3) नृपाय

(4) सिंहाय

145. "यदि यूयम् एवम् इच्छथ, तर्हि भवतु तत्" कथनमिदं कस्य वर्तते ?

(1) सिंहस्य

(2) शशकस्य

(3) लोमशस्य

(4) शृगालस्य

146. अतिविलम्बेन सिंहस्य समीपम् कः अगच्छत् ?

(1) लोमशः

(2) वृषभः

(3) शशकः

(4) शृगालः

147. 'इदानीम्' इत्यस्मिन् अर्थे गद्यांशे कः शब्दः प्रयुक्त ?

(1) सर्वदा

(2) अधुना

(3) एकदा

(4) पुनः

148. 'सविनयम्' इदं पदं किम् अस्ति ?

(1) अव्ययः

(2) क्रियाविशेषणम्

(3) प्रत्ययः

(4) विशेषणम्

149. 'समायात' इत्यस्य पदस्य निर्वचनं किम् अस्ति ?

(1) सम + आ + या + क्त

(2) सम + आय् + आत

(3) सम् + आ + या + अतच्

(4) सम् + आ + या + क्त

150. निम्नलिखितेषु यत् क्रियारूपं अन्येभ्यः बाह्यम् अस्ति, तदुच्यताम् –

(1) अपृच्छत्

(2) आसीत्

(3) गच्छामि

(4) अगच्छन्

SPACE FOR ROUGH WORK

अवधानपूर्वकम् एते निर्देशाः मनसि धारणीयाः

1. येन प्रकारेण विभिन्नाः प्रश्नाः उत्तरणीयाः सन्ति, तद्विषये परीक्षा पुस्तिकायां विवरणं दत्तमस्ति । प्रश्नानाम् उत्तरदानात् पूर्वं तद्विवरणं सावधानं पठनीयमस्ति ।
2. प्रत्येकं प्रश्नार्थं चत्वारि वैकल्पिकोत्तराणि निर्दिष्टानि, तेषु समुचितोत्तरप्रदानार्थं OMR उत्तरपुस्तिकायाः **पृष्ठे-2** केवलम् एकमेव वृत्तं पूर्णरूपेण **नील/कृष्णवर्णिकया बाल पाइन्ट लेखन्या** प्रपूरणीयम् । एकवारम् उत्तरांकनानन्तरं न तत्परिवर्तयितुं शक्यते ।
3. परीक्षार्थिभिः उत्तरपत्रं नैव तिर्यक्करणीयम्, न च कथंकारमपि तद् अन्यथाप्रकारेण अङ्कनीयम् । परीक्षार्थी स्वीयानुक्रमाङ्कं उत्तरपत्रे निर्धारितस्थानातिरिक्तम् अन्यत्र कुत्रापि न लिखेत् ।
4. परीक्षापुस्तिकायाः उत्तरपत्रकस्य च प्रयोगः सावधानं करणीयः । कस्यामपि परिस्थितौ (केवलं तां परिस्थितिं विहाय यदा परीक्षापुस्तिकायाः उत्तरपत्रस्य च कोडके सङ्ख्यायां वा भिन्नता दृश्यते) द्वितीय-परीक्षापुस्तिका नोपलभ्या एव ।
5. परीक्षापुस्तिकायाम् उत्तरपत्रे च प्रदत्त-कोडक-सङ्ख्या परीक्षार्थिभिः उपस्थितिपत्रके सम्यक्रीत्या अवश्यमेव लेखनीया ।
6. OMR उत्तरपत्रे निगूढा सूचना (coded information) एकेन कलयन्त्रेण उद्घाटयिष्यते । अतएव काऽपि सूचना अपूर्णा, प्रवेशपत्रे च दत्तायाः सूचनायाः भिन्ना न स्यात् ।
7. प्रवेशपत्रं विहाय अन्य-मुद्रित-लिखित-पाठ्यसामग्रीं कर्गदचिटिकां 'पेजरम्' इति चलदूरभाषां, विद्युत्-उपकरणानि अथवा कामपि अन्यसामग्री परीक्षाभवनं कक्षं वा नेतुम् अनुमतिः न अस्ति ।
8. चलभाषाः, अन्यानि संचारयन्त्राणि (निष्क्रिय-अवस्थायामपि) प्रतिषिद्धवस्तूनि च परीक्षाभवने न आनेतव्यानि । एतेषां निर्देशानाम् अचालनं परीक्षायामनुचितसाधनप्रयोगः मंस्यते तदनुसारं वैधानिकं कार्यं करिष्यते । परीक्षायाः निरस्तीकरणमपि भवितुं शक्यते ।
9. निरीक्षणसमये परीक्षार्थिभिः प्रवेशपत्रं निरीक्षकाय अवश्यं दर्शनीयम् ।
10. केन्द्राधीक्षकः अथवा निरीक्षकस्य अनुमतिं विना परीक्षार्थिभिः स्थानं न परित्यक्तव्यम् ।
11. कार्यरतनिरीक्षकाय उत्तरपत्रं दत्त्वा उपस्थितिपत्रके च हस्ताक्षरं पुनः कृत्वा एव परीक्षार्थिभिः परीक्षाभवनं कक्षं वा परित्यक्तव्यम् न अन्यथा । यदि केनापि परीक्षार्थिना उपस्थितिपत्रिकायां पुनः हस्ताक्षरं न क्रियते तर्हि 'परीक्षार्थिना उत्तरपत्रकं न दत्तम्' इति अभिप्रायः । इदम् अनुचितसाधनानां प्रयोगस्य रूपम् इति मन्तव्यम् । **परीक्षार्थी उपस्थितिपत्रे यथोचितस्थाने स्व वामाङ्गुष्ठं योजयेत् ।**
12. वैद्युत-हस्तचालित-परिकलकस्य उपयोगः सर्वथा वर्जितः ।
13. परीक्षाभवने कक्षे वा अनुकूलाचरणाय परीक्षार्थिनः सङ्घटनस्य सर्वैः नियमैः विनियमैः वा नियमिताः । अनुचितसाधनानाम् उपयोगेन सम्बद्धाः निर्णयाः सङ्घटनस्य नियम-विनियम-अनुवर्तनीयाः एव ।
14. कस्यामपि परिस्थितौ परीक्षापुस्तिकायाः उत्तरपत्रकस्य वा कोऽपि भागः पृथक् न करणीयः ।
15. **परीक्षासमयादनन्तरं परीक्षार्थिनः परीक्षाभवन-परित्यागा पूर्वं उत्तरपत्रं निरीक्षकं अवश्यमेव प्रदास्यन्ति ।** ***परीक्षार्थिनः इमाम् उत्तरपुस्तिकां नेतुम् अनुमताः ।***

READ THE FOLLOWING INSTRUCTIONS CAREFULLY :

1. The manner in which the different questions are to be answered has been explained in the Test Booklet which you should read carefully before actually answering the questions.
2. Out of the four alternatives for each question, only one circle for the correct answer is to be darkened completely with **Blue/Black Ball Point Pen** on **Side-2** of the OMR Answer Sheet. The answer once marked is not liable to be changed.
3. The candidates should ensure that the Answer Sheet is not folded. Do not make any stray marks on the Answer Sheet. Do not write your Roll No. anywhere else except in the specified space in the Answer Sheet.
4. Handle the Test Booklet and Answer Sheet with care, as under no circumstances (except for discrepancy in Test Booklet Code or Number and Answer Sheet Code or Number), another set will be provided.
5. The candidates will write the correct Test Booklet Code and Number as given in the Test Booklet/Answer Sheet in the Attendance Sheet.
6. A machine will read the coded information in the OMR Answer Sheet. Hence, no information should be left incomplete and it should not be different from the information given in the Admit Card.
7. Candidates are not allowed to carry any textual material, printed or written, bits of papers, pager, mobile phone, electronic device or any other material except the Admit Card inside the Examination Hall/Room.
8. Mobile phones, wireless communication devices (even in switched off mode) and the other banned items should not be brought in the examination halls/rooms. Failing to comply with this instruction, will be considered as using unfair means in the examination and action will be taken against the candidate including cancellation of examination.
9. Each candidate must show on demand his / her Admit Card to the Invigilator.
10. No candidate, without special permission of the Centre Superintendent or Invigilator, should leave his / her seat.
11. The candidates should not leave the Examination Hall/Room without handing over their Answer Sheet to the Invigilator on duty and sign the Attendance Sheet twice. Cases where candidate has not signed the Attendance Sheet second time will be deemed not to have handed over the Answer Sheet and dealt with as an unfair means case. **The candidates are also required to put their left-hand THUMB impression in the space provided in the Attendance Sheet.**
12. Use of Electronic/Manual Calculator is prohibited.
13. The candidates are governed by all Rules and Regulations of the Examining Body with regard to their conduct in the Examination Hall/Room. All cases of unfair means will be dealt with as per Rules and Regulations of the Examining Body.
14. No part of the Test Booklet and Answer Sheet shall be detached under any circumstances.
15. **On completion of the test, the candidate must hand over the Answer Sheet to the Invigilator in the Room/Hall.** ***The candidates are allowed to take away this Test Booklet with them.***

निम्नलिखित निर्देशों को ध्यान से पढ़ें :

1. जिस प्रकार से विभिन्न प्रश्नों के उत्तर दिए जाने हैं उसका वर्णन परीक्षा पुस्तिका में किया गया है, जिसे आप प्रश्नों का उत्तर देने से पहले ध्यान से पढ़ लें ।
2. प्रत्येक प्रश्न के लिए दिए गए चार विकल्पों में से सही उत्तर के लिए OMR उत्तर पत्र के **पृष्ठ-2** पर केवल एक वृत्त को ही पूरी तरह **नीले/काले बॉल पॉइन्ट पेन** से भरें । एक बार उत्तर अंकित करने के बाद उसे बदला नहीं जा सकता है ।
3. परीक्षार्थी सुनिश्चित करें कि इस उत्तर पत्र को मोड़ा न जाए एवं उस पर कोई अन्य निशान न लगाएँ । परीक्षार्थी अपना अनुक्रमांक उत्तर पत्र में निर्धारित स्थान के अतिरिक्त अन्यत्र न लिखें ।
4. परीक्षा पुस्तिका एवं उत्तर पत्र का ध्यानपूर्वक प्रयोग करें, क्योंकि किसी भी परिस्थिति में (केवल परीक्षा पुस्तिका एवं उत्तर पत्र के कोड या संख्या में भिन्नता की स्थिति को छोड़कर) दूसरी परीक्षा पुस्तिका उपलब्ध नहीं करायी जाएगी ।
5. परीक्षा पुस्तिका/उत्तर पत्र में दिए गए परीक्षा पुस्तिका कोड व संख्या को परीक्षार्थी सही तरीके से उपस्थिति-पत्र में लिखें ।
6. OMR उत्तर पत्र में कोडित जानकारी को एक मशीन पढ़ेगी । इसलिए कोई भी सूचना अधूरी न छोड़ें और यह प्रवेश पत्र में दी गई सूचना से भिन्न नहीं होनी चाहिए ।
7. परीक्षार्थी द्वारा परीक्षा हॉल/कक्ष में प्रवेश पत्र के सिवाय किसी प्रकार की पाठ्य सामग्री, मुद्रित या हस्तलिखित, काग़ज़ की पर्चियाँ, पेजर, मोबाइल फोन, इलेक्ट्रॉनिक उपकरण या किसी अन्य प्रकार की सामग्री को ले जाने या उपयोग करने की अनुमति नहीं है ।
8. मोबाइल फोन, बेतार संचार युक्तियाँ (स्विच ऑफ अवस्था में भी) और अन्य प्रतिबंधित वस्तुएँ परीक्षा हॉल/कक्ष में नहीं लाई जानी चाहिए । इस सूचना का पालन न होने पर इसे परीक्षा में अनुचित साधनों का प्रयोग माना जाएगा और परीक्षार्थी के विरुद्ध कार्यवाही की जाएगी, परीक्षा रद्द करने सहित ।
9. पूछे जाने पर प्रत्येक परीक्षार्थी, निरीक्षक को अपना प्रवेश-पत्र दिखाएँ ।
10. केन्द्र अधीक्षक या निरीक्षक की विशेष अनुमति के बिना कोई परीक्षार्थी अपना स्थान न छोड़ें ।
11. कार्यरत निरीक्षक को अपना उत्तर पत्र दिए बिना एवं उपस्थिति-पत्र पर दुबारा हस्ताक्षर किए बिना परीक्षार्थी परीक्षा हॉल/कक्ष नहीं छोड़ेंगे । यदि किसी परीक्षार्थी ने दूसरी बार उपस्थिति-पत्र पर हस्ताक्षर नहीं किए तो यह माना जाएगा कि उसने उत्तर पत्र नहीं लौटाया है और यह अनुचित साधन का मामला माना जाएगा । **परीक्षार्थी अपने बाएँ हाथ के अँगूठे का निशान उपस्थिति-पत्र में दिए गए स्थान पर अवश्य लगाएँ ।**
12. इलेक्ट्रॉनिक/हस्तचालित परिकलक का उपयोग वर्जित है ।
13. परीक्षा-हॉल/कक्ष में आचरण के लिए परीक्षार्थी परीक्षण संस्था के सभी नियमों एवं विनियमों द्वारा नियमित हैं । अनुचित साधनों के सभी मामलों का फैसला परीक्षण संस्था के नियमों एवं विनियमों के अनुसार होगा ।
14. किसी भी परिस्थिति में परीक्षा पुस्तिका और उत्तर पत्र का कोई भाग अलग न करें ।
15. **परीक्षा सम्पन्न होने पर, परीक्षार्थी कक्ष/हॉल छोड़ने से पूर्व उत्तर पत्र निरीक्षक को अवश्य सौंप दें ।** ***परीक्षार्थी अपने साथ इस परीक्षा पुस्तिका को ले जा सकते हैं ।***